rojgar with ankit

History

Class - 15

⇒ 24 वें तीर्थंकर : महावीर स्वामी (वास्तविक संस्थापक)

24nd Tirthankara : Mahaveer Swami (The real Founder)

1. सत्य
2. अहिंसा
3. अस्तेय
4. अपरिग्रह

- 5 वीं शिक्षा Education : ब्रह्मचर्य Celibacy
- प्रतीक : शेर / सिंह Sign : Lion / Lion
- जन्म : 540 BC = कुण्डग्राम (वैशाली)
  Birth : 540 BC = kundagram (Vaishali)
- मृत्यु : 468 BC = पावापुरी (दीपावली के दिन)
  Died : 468 BC = Pavapuri (Day of Deepawali)
- पिता : सिद्धार्थ : ज्ञातृक वंश / इक्ष्वाकु वंश
  Father : Siddhartha : Gyaesak line / Ichchhavaku lineage
- माता : त्रिशला : लिच्छवी (चेटक की बहन)
  Mother : Trishala : Lichchavi (Sister of chetak
- बचपन का नाम : वर्धमान Childhood Name : Vardhman
- पत्नी : यशोदा wife : yashoda
- पुत्री : अनोज्जा प्रियदर्शनी
  Daughter : Anoja Priyadarshini

⇒ दामाद : जमालि : (पहला उपदेश इन्हे ही मिला) = अर्द्धमागधी भाषा

Son-In-Law : Jamali : (He Received the first Sermon) = Semi-Magadhi Language

⇒ भाषा : बाद में "प्राकृत" Language : Later "Prakrit"

⇒ 30 वर्ष की अवस्था में अपने भाई नंदिवर्धन से अनुमति लेकर गृह त्याग किया (बड़े भाई)

At the Age of 30, After Taking Permission from His Brother Nandivardhan, He Renounced His home.

⇒ पहले 6 वर्ष अपने मित्र मक्खलि गोशाल के साथ रहें।

Stay with your friend Makkhali Gosphal for the first 6 years.

(आजीवक सम्प्रदाय के प्रतिपादक; बल "भाग्यवाद" लोगों को भाग्यवाद जोड़ा)

The founder of the Ajivika Sect

⇒ 12 वर्ष तप किया (कठिन) Did Penance for 12 years

पहला वर्ष First year (अशोक वृक्ष, स्वर्ण बालुका नदी)

अंतिम 11 वर्ष 6.5 माह Last 11 years 6.5 Months (साल वृक्ष - रक्तपालिका नदी)

अशोक वृक्ष Ashoka Tree

स्वर्ण बालुका नदी
Golden Sand River

साल वृक्ष Sal Tree

ऋजुपालिका नदी → गांव ⇒ प्राम्भिक गांव
Rijupalika River

ज्ञान की प्राप्ति हुई। knowledge Gained.
→ (झिझिक / जाम्भिक ग्राम) में।
Hesitating / Jrambhik Village).
→ ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी केवलिन, जिन, निर्ग्रन्थ कहलाए।
After Attaining knowledge. Mahavir Swami was Called Kevalin, Jin, Nirgrantha.

दामाद → जमालि

पहला उपदेश : राजगृह (अर्द्धमागधीभाषा)
First Sermon : Rajagriha (Semi-Magadhi language

⇒ केवलिन : आत्मा व शरीर के बीच Kevalin : Between Self And Body

जिन : खुद की इच्छाओं पर विजय
Jin : Victory Over One's Desires

rojgar with ankit

निर्ग्रंथ : सांसारिक बंधन से मुक्त Nirgranth: free from cognitive bondage

⇒ ज्ञान प्राप्ति = वैशाख दशमी Gaining knowledge = Vaishakh Dashami

⇒ जैन धर्म के त्रिरत्न
The Three Jewels of Jainism

① सम्यक दर्शन Right Darshan
② सम्यक ज्ञान Right knowledge
③ सम्यक आचरण Fair Conduct

बौद्ध धर्म त्रिरत्न → बौद्ध धम्म, संघ

जैन समितियां Jain Committees / Conference

1. 300 BC - पाटलिपुत्र - स्थूलभद्र
   Imp. 300 BC - Pataliputra - Sthulbhatra
2. 512 AD - वल्लभी (Guj) - देवर्धि क्षमाक्षवण (अध्यक्ष)
   512 AD - Vallabhi - (Guj) - Devardhi Apology

जैन धर्म में कषाय : Kashaya in Jainism:

- क्रोध Anger → दुःख
- माया Spell → धन
- मान Value

⇒ जैन साहित्य को "आगम" कहा जाता है।
Jain Literature is called "Agam"

- पूर्व ~~East~~ आगम
- उपाग appendage
- छेदसूत्र hale thread

आगम की संख्या - 12
उपांग - 12
छंद सूत्र - 6

जैन धर्म की शाखाएं -
Branches of Jainism

(नग्न)

श्वेताम्बर — श्वेत वस्त्र धारण
Svetambara
(स्थूलभद्र)
(Sthulabhadra)

दिगम्बर
Digambara
(भद्रबाहु)
(Bhadrabahu)

सफेद वस्त्र
White Clothes

नग्न
Naked

उत्तर भारत में ही है
Only in North India

* दक्षिण भारत में श्वेताम्बर शाखा का प्रचार किया
Facts
Promoted Svetambara branch in South India
सुहस्तिन Suhastin

जो द० भारत चले गए
Went to South India

बौद्ध धर्म ⇒ मूर्ति → बुद्ध की पहली प्रतिमा जो पूजी गयी
└ गांधार शैली
→ बुद्ध की पहली प्रतिमा मथुरा शैली

महावीर स्वामी मृत्यु ⇒ 468 BC दिपावली के दिन

मृत्यु, जन्म, ज्ञान ⇒ बुद्ध 5 वैशाख पूर्णिमा

पहला उपदेश ⇒ राजगृह ⇒ भाषा ⇒ अर्द्धमागधी, पहाड़ी
विपुलाचंल पहाड़ी,
वराकर नदी

महावीर स्वामी

माता → त्रिशला
पिता → सिद्धार्थ
बचपन (नाम) वर्धमान
दामाद → जमालि
पुत्री → प्रियदर्शनी

पत्नी – यशोदा

प्रथम जैन भिक्षुणी → नरेश दधिवाहन की पुत्री "चम्पा"

केवलिन → आत्मा – शरीर
↓
अंतर ⇒ ज्ञान

"कैवल्य"
ज्ञान प्राप्ति के पश्चात् महावीर स्वामी को कहा गया।

जिन →
→ खुद की इच्छाओं विजय

निर्ग्रन्थ → सांसरिक बंधनों से मुक्त

अर्हत – पूज्य